

29/12/17

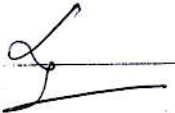
तहसीलदार
रियावडी
(पापार - पणव्याप)

934

15/12/17

29/12/2017 पत्रावली पेश हो गैर सापस
मोक्ष रूप रूप मोक्ष रूप जति शीत
विं लामो लार् उदु उदु लु सुभागा
पत्रावली का प्रसंगित किया से जे लामे
किरण इस प्रकार है कि पर्याय इसका
लामो लार् के मोक्ष लामो लार् के लुध
938 रकबा 0.02 है कि इस रूनि जे मु
नर पर समुदा 2014 मे सो एन सप सुव
मोक्ष रूप जति शीत विं लामो लार् के
किरण अ नि कृपण कले के लुध मे
से 0.02 रूनि पेश कि गि। जिस पर
इसे न्यायालय मे राजस्व प्रकरण रने
कर गैर सापस के विषय LRA 1956
का धारा 9 के अन्तर्गत नोटिस जारी किया
गया कि तब तक कि सापस गैर सापस उदु उदु
रने सुना जाय गैर सापस के राजस्व रूनि
गैर मु नर पर वाडा बनाकर अ नि कृपण
कला स्वीकार किया।


(अनि कृपण रूप)



इसी दिवस मे गोर बापक को राजकीय भूक्ति पर
 अधिकार किये के कारण असीसुभी को प्रति
 क्रिया जानत किये गये क्रमिक रूप को भौतिक
 रूप से खेचने लगे एवं राजकी के लक्षण को
 प्रयास गुणा सुप्रीमा राजकी ०५/ विचार रूपेण प्रयोग
 किये जाते है। प्रयास एवं सोचने सोचने को
 भौतिक वेरवनी एवं सुप्रीमा राजकी की वसुधै कु
 क्रिया जानत प्रारम्भ सुप्रीमा पांग का प्रयोग
 शिव शिव एवं गृहस्थ स्थित वही को भोजी गोकु
 प्रयास के लिये सुप्रीमा वेकर राखित ५ फुट
 को निर्णय जान शिव २५/१२/२०१७ को सुप्रीमा मध्य
 मे सुनाया गया।

सहस्रीलदार, वि. बड़ी
 (बापौर - राजपुर)